केस अध्ययन

विद्यालय का नाम:- उत्क्रमित उच्च विद्यालय द्वारी, गिद्धौर, चतरा, झारखंड

विद्यालय के नवाचारी शिक्षक का नाम:- अजय कुमार सिन्हा

विद्यालय के नवाचारी शिक्षक का नाम:- मनोज कुमार चौबे

स्कूल का प्रकार:- माध्यमिक

कुल छात्र नामांकन:- 1089

सामाजिक आर्थिक संदर्भ:- ग्रामीण, सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर तबके के परिवारों की बहुलता

विद्यालय का सन्दर्भ:-

विद्यालय का दृष्टिकोण:- बच्चों के समग्र विकास हेतु शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों का पाठचर्या के पन्नों से पाठों की प्रस्तुति तक प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करना।

उद्देश्य:- समाज के अभिवंचित (नीचले पायदान पर अवस्थित) परिवार के बच्चों को समावेशी परिवेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराना

चुनौतियों का सामना:-

♧ विद्यालय प्रशासन तथा प्रबंधन का शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों की गहरी समझ का न होना तथा विरोधाभासी एवं पारंपरिक सोंच के साथ-साथ कतिपय विचारों से प्रभावित होकर न सिर्फ असहयोग और विरोध बल्कि परोक्ष रूप से धमकियों का सामना।

♧ कोरोना काल में बच्चों तथा अभिभावकों से संपर्क बनाये रखना

♧ बच्चों तथा अभिभावकों को शैक्षिक क्षेत्र के सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी से अवगत कराना

♧ विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता तथा प्रवेश परीक्षाओं का फार्म भरने एवं प्रवेश पत्र डाउनलोड करने का कौशल विकसित करना

♧ आनलाईन क्लास से संबंधित ऐप की जानकारी देना

♧ भावनात्मक मजबूती एवं सामाजिक जुड़ाव के प्रति सचेत रखना

♧ कला समेकित अधिगम, नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक अवधारणाओं की समझ एवं जीवन कौशल के विकास की प्रक्रिया को जारी रखना

♤ विभिन्न स्तरों पर आयोजित आनलाईन कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु बच्चों तथा अभिभावकों को प्रेरित करना तथा सहयोग करना

विद्यालय को विकसित करने हेतु अपनाई गई रणनीतिः-

♤ सहयोगी शिक्षकों, समुदाय के कुछ पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षा के प्रति सकारात्मक एवं सहयोगी विचार रखने वाले अभिभावकों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं अभिप्रेरणात्मक मार्गदर्शन की सहायता से कक्षा तथा कक्षा के बाहर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को ब्लेंडेड मोड में आफलाईन तथा आनलाईन तरीके से संचालित करने की प्रभावी रणनीति अपनाई गई।

♤ बच्चों में सामाजिक विकास के विकास हेतु विद्यालय हाउसों को सक्रीय करते हुए विशेष क्रियाकलापों का आयोजन

♤ बच्चों में लोकतान्त्रिक भावना के विकास हेतु विधिवत रूप से निर्वाचित बाल संसद तथा विद्यार्थी मंत्रपरिषद एवं उससे सम्बद्ध समितियों के माध्यम से विद्यालय के शैक्षणिक एवं अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियों को आयोजित किये जाते हैं

♤ बच्चों में वैज्ञानिक परिदृष्टि के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं जीवन कौशलों के विकास हेतु प्रार्थना सभा के दौरान पर्यावरन और कक्षा सञ्चालन के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के तथ्यों, सिद्धांतो एवं नियमों को सम्बंधित कौशलों के साथ समेकित करते हुए विशेष पाठ योजना के तहत शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं का सञ्चालन किया जाता है

विद्यालय में नवीन पद्धतियाँ:-

बाल विकास और शिक्षा शास्त्रीय सिद्धांतों को व्यवहारिक स्वरूप देने के लिये प्रतिबद्ध एक अदृश्य एवं शांत विद्यालय नेतृत्व की अनवरत यात्रा

उत्क्रमित उच्च विद्यालय द्वारी, प्रखंड- गिद्धौर (चतरा)

पिछले कई वर्षों से शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत सबके लिए गुणवत्तापूर्ण, निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके तहत सतत रूप से विभिन्न प्रकार के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ ही कई कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता रहा है।

केन्द्र और राज्य स्तर के कई संस्थानों, जैसे- केन्द्र में एम.एच.आर.डी. के तहत एन.सी.ई.आर.टी तथा राज्य में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के तहत जे.सी.ई.आर.टी तथा जे.ई.पी.सी. के सम्मिलित प्रयास से संचालित इन कार्यक्रमों के फलस्वरूप राज्य के कुछ विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कई नवाचारी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किये जा रहे हैं। इन विद्यालयों में चतरा जिले के गिद्धौर प्रखंड में अवस्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय द्वारी, अपने स्वच्छ एवं आकर्षक परिसर के साथ-साथ बच्चों के समग्र विकास हेतु चलाये जा रहे नवाचारी कार्यक्रमों के कारण जिला और राज्य ही नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खास पहचान बना चुका है। यही कारण है कि स्वच्छ और आकर्षक वातावरण, शिक्षा में गुणवत्ता के लिये चलाये जा रहे नवाचारी गतिविधियों तथा

बाल संसद, विद्यालय हाऊसों और इसकी अलग-अलग समितियों के द्वारा संचालित कार्यक्रमों के फलस्वरूप यहां के बच्चों में लोकतांत्रिक भावना तथा आपसी सहभागिता और नेतृत्व कौशल के विकास की चर्चा विभिन्न मीडिया के साथ-साथ यूनिसेफ, नीति आयोग तथा पी.एम.ओ तक होती रही है।

एक अदृश्य एवं शांत नेतृत्व कौशल का उपयोग करते हुए शिक्षक ने तमाम विरोध, असहयोग और अपमान से विचलित होने के बजाय उससे सकारात्मक उर्जा प्राप्त करते हुए विद्यालय से लेकर राज्य स्तर तक अपने तन, मन और धन सहित हर प्रकार से योगदान देते हुए नवाचारी शैक्षिक कार्यो के द्वारा समाज को हर संभव सेवा करने का प्रयास करता रहे।

विगत पाँच वर्षों से विद्यालय के पोषक क्षेत्र के कुछ पूर्ववर्ती विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा सभी बच्चों के सम्मिलित प्रयासों के फलस्वरूप संचालित नवाचारी गतिविधियों के द्वारा शिक्षा शास्त्रीय सिद्धांतों को पाठचर्या के पन्नों से पाठों की प्रस्तुति तक लाकर इन सिद्धांतों को व्यवहारिक स्वरूप प्रदान करने के इन प्रयासों का सुखद परिणाम भी अब सामने आने लगा है। इसके कुछ खास मिसाल इस प्रकार हैं-

1. बच्चों के बौद्धिक विकास के प्रयासों की मिसाल:-

1.1 विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति योजनाओं तथा प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने का अवसर एवं सहयोग प्रदान करना।

जब कोविड-19 महामारी के दौरान पूरी दुनियाँ ठहर सी गई थी। कुछ दिनों तक अधिकांश विद्यालय, खासकर सरकारी विद्यालयों में जहाँ विद्यार्थियों की एक बहुत बड़ी संख्या समाज के सबसे नीचले पायदान पर स्थित सुविधाविहीन परिवारों की है, किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में थे। उस दौरान भी कई इस नवाचारी प्रयास के फलस्वरूप इस विद्यालय के अतिरिक्त आस-पास के अन्य विद्यालयों के बच्चों ने भी अद्वितीय सफलता हासिल की गई। जैसे-

1.1.1 राष्ट्रीय साधन सह मेधा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

पिछले पाँच वर्षों में अनुसूचित जाति तथा समाज के पिछड़े तबके के कुल 43 विद्यार्थी राष्ट्रीय साधन सह मेधा परीक्षा में सफलता हासिल कर चुके हैं। अब इन्हें भारत सरकार के द्वारा कक्षा नवीं से बारहवीं तक प्रत्येक वर्ष ₹12000 (बारह हजार) की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही कई। इसमें भूमिहीन अनुसूचित जाति समुदाय का एक ऐसा विद्यार्थी भी शामिल है, जिसके पिता अब इस दुनियाँ में नहीं हैं।

1.1.2 मुख्य मंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में शानदार सफलता

दो वर्षों पूर्व से प्रारंभ उक्त परीक्षा में अबतक 10 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। इन्हें राज्य सरकार द्वारा कक्षा नवीं से बारहवीं तक प्रत्येक वर्ष ₹12000 (बारह हजार) की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

1.1.2. जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में विशिष्ट प्रदर्शन

इसी दौरान जवाहर नवोदय विद्यालय की नवीं कक्षा जिसमें मात्र 2 या 3 सीटें ही रिक्त होती हैं, में विगत चार वर्षों से लगातार प्रथम वर्ष में एक और दूसरे वर्ष दो छात्राओं सहित अबतक 5 विद्यार्थियों ने उक्त विद्यालय में नामांकन हेतु चयनित होने में सफलता हासिल की है।

1.1.3." इंस्पायर मानक" अवार्ड हेतु सभी बच्चों की आइडिया का चयन जिनमें से एक का राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में शामिल होने के लिए चयनित

इसी महामारी काल में विगत वर्ष 2020-21 में इंस्पायर अवार्ड हेतु विद्यालय के सभी पाँच विद्यार्थियों की आइडिया को चयनित किया गया। इन्हें अपने आइडिया के प्रदर्शन के लिए मॉडल निर्माण हेतु प्रत्येक विद्यार्थियों को अपना प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए ₹10000 (दस हजार) की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। इनमें से दो बच्चों युवराज कुमार दास तथा शिवम कुमार को राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में शामिल होने के लिए चयनित किया गया जहाँ पर युवराज कुमार दास सहित राज्य के कुल 14 बच्चों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए किया गया।

1.2 नियमित कक्षा संचालन के दौरान भी गतिविधि आधारित शिक्षार्थी केन्द्रित शिक्षण के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों और अपने यूट्यूब चैनल द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी और समावेशी बनाने में आई. सी. टी. का उपयोग किया जा रहा है

https://youtube.com/@EduCareDigiClassByMKC

https://photos.app.goo.gl/6jnKQhRW9ok4M95VA

1.3 बच्चों के सामाजिक विकास के विशेष क्रियाकलाप

प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों को उनकी विविध योग्यताओं और कौशलों के प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जाता रहा है। इस दौरान बच्चों द्वारा एक दूसरे की सफलता को खास तरीके से सराहा और प्रोत्साहित किया जाता है।

https://photos.app.goo.gl/huaW6XrqGpddPvfW6

1.4 बच्चों में लोकतांत्रिक भावना के विकास हेतु क्रियाकलाप

बाल संसद का लोकतांत्रिक तरीके से विधिवत चुनाव करवाई जाती रही है।

https://photos.app.goo.gl/u3SgucH8vJcvqLaB8

इसके साथ ही बाल संसद और चाइल्ड कैबिनेट की नियमित बैठकें आयोजित करना। इस बैठक में चाईल्ड कैबिनेट के विभिन्न विभागों द्वारा लाये गये प्रस्तावों पर बाल संसद में चर्चा तथा ध्वनि-मत या आवश्यकता पड़ने पर मतदान के द्वारा प्रस्ताव पारित होने पर प्रधानाचार्य से स्वीकृति के पश्चात बाल संसद की विभिन्न समितियों द्वारा इसे लागू किया जाता है।

https://photos.app.goo.gl/XJq7WvY29XHo6phU7

https://photos.app.goo.gl/YHxTe2rW5jL6Bbtw5

1.5. बच्चों में वैज्ञानिक परिदृष्टि के विकास हेतु प्रयास

इसके लिये बच्चो को अवलोकन, निरीक्षण, प्रयोग एवं परीक्षण का सरल एवं सहज वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। स्थानीय एवं सामाजिक तथा वैज्ञानिक महत्व के अन्य परिवेश का शैक्षिक भ्रमण तथा प्रयोगशाला कक्ष को आकर्षक बनाने के साथ-साथ प्रायोगिक सामग्रियों एवं आवश्यक रासायनिक पदार्थों की व्यक्तिगत स्तर से व्यवस्था की गई है

https://youtube.com/playlist?list=PLni-V1K3fIUTAmha67Bsc0k7nywrRWa8d

https://photos.app.goo.gl/79U71fd4Erdi5JDu5

https://photos.app.goo.gl/33Q9dfA4ZDyF2vpN9

https://photos.app.goo.gl/mf8hHW7f7LbksXpBA

1.6 संपोषणीय विकास हेतु बच्चों में मूल्य एवं जीवन कौशल के विकास का अनूठा एवं अभिनव प्रयोग

1.6.1 शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में विज्ञान और कला एवं संस्कृति का समावेश

इसके तहत प्रत्येक गुरुवार को पर्यावरण के किसी एक घटक, जैसे- जल, वायु, मिट्टी, पत्थर, पत्ते एवं अन्य पशु-पक्षियों, को अपना आज का शिक्षक समझते हुए उनसे हम अपने जीवन में शांति, प्रेम, सौहार्द और खुशी के कौन-कौन से गुण सीख सकते हैं, पर चर्चा की जाती है।

https://youtu.be/4PpCYCjJkHA

1.6.2 कक्षा संचालन के द्वारान भी प्रत्येक वैज्ञानिक अवधारणायें, तथ्य, नियम और सिद्धांत हमें कौन-सा मूल्य या/और जीवन कौशल की प्रेरणा देते हैं, इसकी भी चर्चा की जाती है।

1.6.3 सभी बच्चों की किसी न किसी कला क्षेत्र में रूचि होती है। उनकी रूचि वाले कला क्षेत्र की पहचान कर उन्हें उसके माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं, तथ्यों, नियमों और सिद्धांतों को समझने के लिये आवश्यक सहयोग, संसाधन एवं अवसर उपलब्ध कराया जाता है।

https://youtube.com/playlist?list=PLni-V1K3fIUT2pxSXilaqM-HgySgL7Xzb

1.7 बच्चों में लोकतांत्रिक एवं सहभागिता की भावना के विकास हेतु विशेष अवसर

राष्ट्रीय पर्व, विभिन्न महापुरुषों की जयंतियों, विशेष दिन, सप्ताह, पखवाड़े तथा मास के दौरान आयोजित कार्यक्रमों, जैसे- पेंटिंग, रंगोली, गीत, कविता, कहानियां, वाद-विवाद, भाषण, क्वीज आदि में अधिक से अधिक बच्चों को शामिल होने के लिये न सिर्फ प्रोत्साहित किया जाता है, बल्कि इसके लिए उन्हें आवश्यक सहयोग, समर्थन तथा व्यक्तिगत स्तर से आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराये जाते हैं।

https://youtube.com/playlist?list=PLo-_G1IXEYnWgBdddhHdmsg3vu7N-pctk

ये सारे कार्यक्रम प्रतियोगिता के बदले सहभागिता की भावना पर आधारित होते हैं, जिसका उद्देश्य सहयोग की भावना के साथ एक दूसरे की विशेष योग्यता एवं कौशल का सहज, सरल और सरस तरीके से सीखने में उपयोग करना है।

https://photos.app.goo.gl/bkm1npiwF6gMfvTN6

https://photos.app.goo.gl/QGntpvRWsZi9Jgd76

1.8 बच्चों के शारीरिक, व्यावसायिक एवं संवेगात्मक विकास हेतु विशेष क्रियाकलाप:-

इसके लिए विभिन्न हाउसों को नियमित अंतराल पर खेल-कूद, बागवानी, कृषि एवं विशेष प्रकार के शिल्पकार्य में शामिल होने हेतु आवश्यक सहयोग, संसाधन एवं अवसर उपलब्ध कराया जाता है।

उपरोक्त क्रियाकलापों एवं नवाचारों के फलस्वरुप यहां के विद्यार्थी न सिर्फ छात्रवृत्ति परीक्षाओं में बल्कि विभिन्न स्तरों पर आयोजित पेंटिंग, रंगोली, वाद- विवाद, क्वीज, स्लोगन, कविता, भाषण एवं अन्य प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार हासिल करते रहें हैं।

https://photos.app.goo.gl/vf8kKLZGdeoQ243R9

https://photos.app.goo.gl/p4nrPKSiyrssDtFv8

https://photos.app.goo.gl/TwstY8ooWobLBamw9

https://photos.app.goo.gl/ojKqAah2VtGi5GKRA

https://photos.app.goo.gl/UD4pMKG9XhsgEEDB9

https://photos.app.goo.gl/9XAbuq9QBKpjHdoy6

1.9 कोरोना काल में लाकडाऊन के दौरान की विशेष रणनीति

1.9.1 प्रारंभ में बच्चों से जुड़े रहने और उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास पर विपरीत प्रभाव न पड़े इसके लिए पहले से निर्मित व्हाट्सऐप ग्रुप को और अधिक सक्रिय करते हुए अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ा गया। तथा उनके और अभिभावकों के साथ आत्मीय संबंध बनाते हुए सर्वप्रथम उन्हें भावनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

Integrating ICT with TLP; Impact on Holistic Development of Students.pptx

1.9.2 बाद में अलग-अलग कक्षा के लिए अलग- अलग ग्रुप बनाकर बच्चों को राज्य से प्राप्त विषयगत अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराया जाने लगा

1.9.3 विषयगत अध्ययन सामग्री के साथ-साथ उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास की प्रक्रिया भी बाधित न हो, इसके लिए उन्हें विभिन्न स्तरों पर आयोजित आनलाईन कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया तथा इसके लिये आवश्यक दिशा निर्देश एवं संसाधन भी उपलब्ध कराये गये।

https://youtu.be/aOb_Rt9BFSc

https://photos.app.goo.glwuDvB5UvbBm6kaVf7

यही कारण है कि लाकडाऊन के दौरान भी इस विद्यालय के विद्यार्थियों ने न सिर्फ संकुल बल्कि प्रखंड, जिला और राज्य स्तर के आनलाइन कार्यक्रमों में भी शानदार प्रदर्शन किया और प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

1.9.4 बाद में लाकडाऊन में कुछ ढील मिलने पर घर-घर संपर्क और मोहल्ला क्लास भी चलाया गया, जिसमें कुछ कठिन अवधारणाओं को समझने, वैज्ञानिक माडलों का निर्माण तथा छात्रवृत्ति परीक्षाओं और नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराते हुए इसकी तैयारी भी कराई गई। साथ ही आने वाले साल के लिये इसकी तैयारी अभी भी जारी है।

1.9.5 मोहल्ला क्लास के दौरान तथा अपने आवास से संचालित ऑनलाइन क्लास की रिकॉर्डिंग का इ_कंटेंट को राज्य स्तर से संचालित डीजि_साथ कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के सभी स्कूल बच्चों को व्हाट्स ऐप के माध्यम से उपलब्ध कराया गया

1.10 सहयोगी शिक्षक साथियों एवं अभिभावकों को बाल विकास एवं अधिगम तथा शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों को कक्षा तथा घरों में प्रभावी तरीके से व्यवहारिक स्वरूप देने के प्रति सक्षम एवं संवेदनशील बनाने का प्रयास

नियमित तौर पर और खासकर कोरोना काल के दौरान जब विद्यालय में पठन-पाठन के कार्य स्थगित थे तब हमने कक्षा को अपने साथी शिक्षकों के साथ शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान व्यवहारिक स्वरूप प्रदान करने सें संबंधित मुद्दों पर चर्चा का उपयोग करते हुए उसे जीवंत बनाये रखा। बाद में इन कक्षाओं के विडिओ रिकार्डिंग को फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर रिल्स आदि के माध्यम से कार्यरत एवं भावी शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों एवं जन समुदाय को बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों से सहज तरीके से परिचित एवं संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से साझा किया जा रहा है, जिसका बहुत ही अच्छा रिस्पांस सामने आ रहा है।

https://youtube.com/playlist?list=PLni-V1K3fIUTdaJ-SbljiimPtLvz_hgW

https://youtube.com/playlist?list=PLni-V1K3fIUTdaJ-SbljiimPtLvz_hgWC

1.11 इस अनोखी यात्रा का निष्कर्ष

इस प्रकार यदि हमारे अंदर निःस्वार्थ स्नेह और सहयोग की भावना हो तो विपरीत एवं कठिन परिस्थितियों तथा औपचारिक प्राधिकार के बिना भी हम काफी हद तक समाज के कल्याणार्थ कार्यों में सफलता हासिल करना संभव है।

हाँ, यह संभव हुआ है। और यह संभव हो सका है एक अदृश्य एवं शांत विद्यालय नेतृत्व कौशल के उस रणनीति के तहत जिसके अंतर्गत ही संपूर्ण लाकडाऊन काल में भी आनलाईन तथा घर-घर और मोहल्ला क्लास के द्वारा सीखने-सिखाने की प्रकिया को न सिर्फ कभी रूकने नहीं दिया

गया,बल्कि इस दौरान की ऐसी उपलब्धियाँ हासिल हुईं जिन्हें सामान्य दिनों में भी हासिल करना अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण है।

https://photos.app.goo.gl/dsP4kj4rW3gviaZR6

1.12 आभार

इन अनवरत यात्रा में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, अध्यक्ष तथा माननीय जनप्रतिनिधि गण तथा सम्मानित अभिभावकों, शिक्षकों, अनुसेवक एवं आदेशपाल साथियों और रसोइया बहनों तथा विद्यालय के सभी अध्ययनरत विद्यार्थियों के साथ-साथ कुछ पास आऊट विद्यार्थियों जिनमें श्री रंजित यादव बंधु एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों का विशेष योगदान है , जिन्होंने शिक्षण के साथ-साथ अपने छोटे से घर एक हिस्से को महामारी जैसे कठिन एवं चुनौतीपूर्ण समय में तथा आज भी शैक्षणिक कार्यों के लिए उपलब्ध करा रहे हैं। इन सबके बहुमूल्य सहयोग के बिना इस अद्वितीय यात्रा को जारी रखना असंभव है।

इस केस अध्ययन को पूरा करने के लिए नवाचारी शिक्षक, तमाम उर्जावान, उमंग-उत्साह से भरपूर वर्तमान एवं पास आऊट विद्यार्थियों, सहयोगी साथियों, गाँव के कुछ जागरूक अभिभावकगण एवं विद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक साथियों का हृदय से आभार।

धन्यवाद